भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1349
दिनांक 09.02.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पड़ोसी देशों के साथ संबंध

1349. श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए किए गए उपायों का देश–वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार म्यांमार, श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ सबंधों में सुधार लाने के लिए विशेष उपाय कर रही है/करने का विचार रखती है, जिनके साथ हाल ही में संबंधों में गिरावट आई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[डॉ राजकुमार रंजन सिंह]

(क) से (ग) भारत की जन–केंद्रित 'पड़ोसी प्रथम नीति' अपने निकटतम पड़ोस के लोगों और देशों के साथ संबंधों के प्रबंधन के प्रति अपने दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करना जारी रखती है। यह नीति सरकार की सभी संबंधित शाखाओं के लिए एक संस्थागत प्राथमिकता है।

नेबरहुड फर्स्ट नीति का उद्देश्य, अन्य बातों के अलावा, पूरे क्षेत्र में भौतिक, डिजिटल और जन संपर्क को बढ़ाना है, साथ ही निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार, वाणिज्य, संचार, युवा और खेल मामले, ऊर्जा, सहित विभिन्न क्षेत्रों में क्षमता निर्माण, साइबर सुरक्षा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है। पिछले दशक में, इस नीति के सकारात्मक परिणाम मिले हैं और हमारे आसपास के क्षेत्र में सहयोग, आपसी मेल –जोल और संपर्क मजबूत हुए हैं।उपरोक्त क्षेत्रों में म्यांमार, श्रीलंका और बांग्लादेश सहित हमारे पड़ोसी देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए ऐसी कई पहल लागू की जा रही हैं।

*****